I&B MINISTRY TO USHER TRANSPARENCY IN TRP

The fake TRP scam led the I&B Ministry to form a committee to usher transparency in TRP ratings. The committee is headed by Prasar Bharati CEO Shashi Shekhar Vempati and it has given its report to the I&B Ministry.

After the fake TRP scam broke in October 2020, the Ministry had formed a committee on TRP ratings on Nov 4, 2020.

The report will try to ensure that there should be more transparency in TRP and base must be expanded to rule out the chances of manipulation and the report will be discussed and given to BARC India.

Other members on the committee were Dr Shalabh, Professor of Statistics, IIT Kanpur; Dr Rajkumar Upadhyay, Executive Director, C-DOT; and Professor Pulak Ghosh, Decision Sciences Center for Public Policy (CPP).

The KRA of the committee was to:

- Study past recommendations made by various forums on the subject of television rating systems in India and matter incidental thereto.
- Study recent recommendations of TRAI on the subject
- Suggest steps for enhancing competition in the sector
- Review of the presently notified guidelines to see if the intended purpose(s) of issuing the guidelines have stood the test of time and has met needs of various stakeholders involved. The lacunae, if any, shall be specially addressed by the committee
- Any issues related or incidental to the subject
- To make recommendations on way forward for robust, transparent and accountable rating system in India, and
- Any other related issues assigned by MIB from time to time ■

सत्यमेव जयते

Ministry of Information & Broadcasting
Government of India

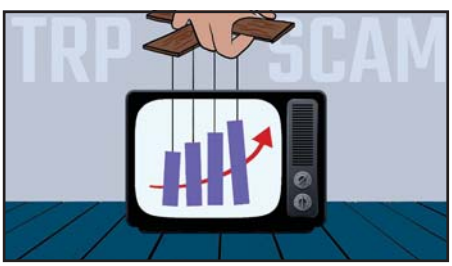

आईएंडबी मंत्रालय ने टीआरपी में पारदर्शिता की शुरूआत की

फर्जी टीआरपी घोटाले ने आईएंडबी मंत्रालय को टीआरपी रेटिंग्स में पारदर्शिता के लिए एक समिति बनाने को प्रेरित किया था। इस समिति की अध्यक्षता प्रसार भारती के सीईओ शशि शेखर वेम्पती कर रहे हैं और इसने आईएंदबी मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

अक्टूबर 2020 में फेक टीआरपी घोटाला सामने आने के बाद मंत्रालय ने 4 नवंबर 2020 को टीआरपी रेटिंग्स पर एक समिति का गठन किया था।

रिपोर्ट यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी कि हेरफेर की संभावना को दूर करने के लिए टीआरपी में अधिक पारदर्शिता होनी चाहिए और आधार का विस्तार होना चाहिए और रिपोर्ट पर चर्चा की जायेगी और बीएआरसी इंडिया को दी जायेगी।

समिति के अन्य सदस्य आईआईटी कानपुर में सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ शलभ, डॉ राजकुमार उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, सी–डॉट, और प्रो पुलक घोष, डिसिजन साइंस सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी (सीपीपी) थे।

समिति का केआरए निम्नलिखित थाः

- भारत में टेलीविजन रेटिंग सिस्टम के विषय पर विभिन्न प्लेटफार्मो द्वारा की गयी पिछली सिफारिशों का अध्ययन और इसके अलावा कोई अतिरिक्त घटना हो तो।
- विषय पर ट्राई की हालिया सिफारिशों का अध्ययन करें
- क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सुझाव देना
- वर्तमान में अधिसूचित दिशानिर्देशों की समीक्षा यह देखने के लिए कि क्या दिशा–निदेश जारी करने का इरादा उद्देश्य समय की कसौटी पर खड़ा है और इसमें शामिल विभिन्न हितधारकों की जरूरतों को पूरा किया गया है। समिति द्वारा विशेष रूप से संबाधित किया जाना चाहिए
- कोई भी मुद्दा विषय से संबंधित या आकस्मिक
- भारत में मजबूत, पारदर्शी और जवाबदेह रेटिंग प्रणाली के लिए आगे बढ़ने के लिए सिफारिशें करना
- समय–समय पर एमआईबी द्वारा सौंपे गये अन्य संबंधित मुद्दे ■